



प्रसव-पश्चात देखभाल और नवजात शिशु का स्वास्थ्य: आशा की भूमिका



माँ और नवजात शिशु के स्वास्थ्य की जाँच करने के लिए निर्धारित दिनों पर नियमित रूप से घर पर जाना।

माँ को पोषक आहार लेने के बारे में सलाह देना और प्रसव के बाद कम से कम छह हफ्तों तक उसे पर्याप्त आराम देने के बारे में परिवार को परामर्श देना।

जटिलताओं के लक्षणों के लिए माँ का आंकलन करना और समुचित रेफरल सुनिश्चित करना।



माँ को एनीमिया की देखभाल करने में मदद करना।

केवल स्तनपान को प्रोत्साहित करना और इसमें सहायता करना तथा इससे संबंधित समस्याओं से निपटने में माँ की मदद करना।

माँ को गर्भनिरोधक आवश्यकताओं (अस्थायी/स्थायी), जैसा भी आवश्यक हो, के बारे में परामर्श देना और परिवार नियोजन सेवाओं तक पहुँच पाने में उसके परिवार की मदद करना।

नवजात शिशु की निगरानी और पहली जाँच तथा जन्म का परिणाम दर्ज करना।



प्रसव के तुरंत बाद स्तनपान शुरू करना और नवजात शिशु को साफ, गर्म और शुष्क रखना।

तापमान नापना, वजन चेक करना और यह निर्धारित करना कि कहीं नवजात शिशु समय से पहले पैदा तो नहीं हुआ है।

नवजात शिशु को गर्म रखना; हाइपोथर्मिया से निपटना; बुखार को नियंत्रित करना।

गर्भनाल देखभाल और आँखों की देखभाल: जन्म के तुरंत बाद और उसके बाद घर पर मिलने के दौरान।



नवजात शिशु की देखभाल के बारे में परिवार को परामर्श देना, विशेष रूप से संक्रमण रोकने हेतु आवश्यक सावधानियों के संबंध में।

एकमात्र स्तनपान और अन्य संबंधित तथ्यों के महत्व के बारे में परिवार को जानकारी देना।

दम घुटने की समस्या और प्रसव-पश्चात सेप्सिस से निपटना।

उच्च जोखिम वाले शिशुओं की पहचान करना और स्तनपान सहित आवश्यक देखभाल के बारे में परिवार को परामर्श देना।